University in News on 01 July 2022

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : छात्रवृत्ति के लिए 10 चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 10 छात्राओं का चयन किया गया है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि 44 आवेदन आए थे। विशेष समिति ने साक्षात्कार के बाद 10 छात्राओं का चयन छात्रवृत्ति के लिए किया। तीन वर्ष तक प्रतिमाह पांच हजार की छात्रवृत्ति दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

नैक टीम के लिए बनाएंगी पकवान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक की ग्रेडिंग के लिए दौरा करने वाली नैक पीयर टीम को गोल्डन जुबली छात्रावास की छात्राएं अपने हाथ से पकाया व्यंजन खिलाएंगी। उन्होंने पीयर टीम को दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया है। इसके लिए छात्राओं ने अपने प्रोवोस्ट डॉ. केया पांडेय और चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडेय के जरिये कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से निवेदन किया है। कुलपति ने छात्राओं को आश्वासन भी दिया। वहीं, लविवि की आईक्यूएसी टीम ने तैयारियों को लेकर विवि के सभी विभागों का दौरा कर निरीक्षण किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रो. ध्रुव को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2019 के लिए चयनित किया गया है। खान मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। उन्हें भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इस पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 5

प्रो. ध्रुव सेन को मिला राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ यूनिवर्सिटी के भूविज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह को गुरुवार को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार से नवाजा गया है। भारत सरकार ने भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इस सर्वोच्च पुरस्कार के लिए उनके नाम की घोषणा की। प्रो. ध्रुव सेन ने भू-पर्यावरण अध्ययन के लिए पुरावातावरण, जलवायु परिवर्तन और मानसून परिवर्तन शीलता के क्षेत्र में अहम काम किया है। साथ ही नदियों, ग्लेशियरों और झीलों का भी अध्ययन किया है। प्रो. ध्रुव सेन ने बताया कि उनकी रिसर्च में पता चला कि गंगोत्री ग्लेशियर के तेजी से पीछे हटने की जिम्मेदार सिर्फ ग्लोबल वॉर्मिंग नहीं, बल्कि अन्य वजहें भी हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

शोध मेधा छात्रवृत्ति के साक्षात्कार पूरे

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने और विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है। हाल ही में इसके लिए योग्य महिला शोध छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए थे जिनमे से 44 आवेदन पात्र पाए गए। विशेष रूप से गठित समिति द्वारा छात्राओं के साक्षात्कार के आधार पर 10 को छात्रवृति मिलेगी।

प्रो. धुव सेन सिंह को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

लखनऊ। एलयू के भूविज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2019 द्वारा सम्मानित किया गया। यह भूविज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च पुरस्कार है। प्रो. सिंह ने हिमालय और गंगा के मैदान और आर्कटिक में भी हिमनदों, नदी और झीलों का क्रमवार अध्ययन करके पुराजलवायु और पर्यावरण का विश्लेषण किया है। प्रो. सिंह ने अपने वर्णन किया है कि ग्लेशियर के तेजी से पीछे हटने का कारण इसकी अपनी विशिष्ट विशेषताएं हैं।

एलयू में आईक्यूएसी टीम ने किया निरीक्षण

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नैक टीम के निरीक्षण के पूर्व तैयारियों को लेकर गुरुवार को आईक्यूएसी टीम ने विश्वविद्यालय के सभी विभागों का दौरा कर गहन निरीक्षण किया। सभी विभाग अच्छी तैयारी कर रहे हैं, इसकी जानकारी ली। टीम ने जिन विभागों में कुछ कमी पाई उनको समय से कमी दूर करने के निर्देश दिए।

एलयू और नेशनल पीजी कॉलेज में रिजल्ट घोषित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमए सोशियोलॉजी थर्ड सेमेस्टर और एमएससी गणित का रिजल्ट गुरुवार को घोषित किया गया। रिजल्ट विवि की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है, छात्र और छात्राएं वेबसाइट पर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। वहीं नेशनल पीजी कॉलेज में भी बीकॉम का रिजल्ट जारी कर दिया गया है।

JAGRAN CITY PAGE I

प्रो. ध्रुव सेन राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार के लिए चयनित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान विभाग के शिक्षक प्रो. ध्रुव सेन सिंह को भारत सरकार के खान मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार-2019 के लिए चुना है।

प्रो. ध्रुव सेन

गुरुवार को मंत्रालय की ओर से इन पुरस्कारों की घोषणा की गई। जुलाई के दूसरे सप्ताह में सम्मान दिया जाएगा। भू-विज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने भू-पर्यावरण अध्ययन के लिए पुरावातावरण, जलवायु परिवर्तन और मानसून परिवर्तन शीलता के क्षेत्र में नदियों, ग्लेशियरों और झीलों पर काफी शोध किए हैं। वह गंगोत्री ग्लेशियर के तेजी से पीछे हटने के कारण पर गहन अध्ययन भी कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने बताया था कि सिर्फ ग्लोबल वार्मिंग ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं है।

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए साक्षात्कार

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को शोध मेधा छात्रवृत्ति के दूसरे चरण के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया हुई। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि साक्षात्कार के लिए 44 शोधार्थी अर्ह पाई गई थीं।

छात्रवृत्ति के लिए सभी छात्राएं शोध के प्रति काफी समर्पित दिखीं और चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रही। समिति ने छात्राओं की मेधा, योग्यता के साथ उनकी आर्थिक स्थिति एवं जरूरत पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने बताया कि 10 छात्राओं का चयन कर उन्हें प्रति माह 5000 रुपए तीन वर्ष के लिए छात्रवृत्ति के रूप में दिए जाएंगे। यह छात्रवृत्ति वार्षिक तौर पर नवीनीकृत की जाएगी । जल्द ही चयनित शोध छात्राओं के नाम की सूची जारी होगी।

PIONEER PAGE 3

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए साक्षात्कार सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लविवि की तरफ से शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने और विशेष रूप से इसमे महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति प्रदान कर रही है । हाल ही मे इसके लिए योग्य महिला शोध छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए थे जिनमे से 44 आवेदन पात्र पाए गए थे । विशेष रूप से गठित समिति द्वारा पात्र छात्राओं के साक्षात्कार के आधार पर 10 छात्राओं को छात्रवृति के लिए चयनित किया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि बताया कि छात्रवृत्ति के लिए सभी छात्राऐं शोध के प्रति काफी समर्पित दिखी और चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रही। समिति ने छात्राओं की मेधाए योग्यता के साथ उनकी आर्थिक स्थिति एवं जरूरत पर विशेष ध्यान दिया। चयनित छात्राओ को 5000 रूपये प्रति माह तीन वर्ष के लिए छात्रवृति के रूप मे दिये जाएंगे और यह छात्रवृति वार्षिक तौर पर नवीनीकृत की जाएगी।

एलयू के भू-वैज्ञानिक प्रो धुवसेन सिंह को मिला राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

लखनऊ। लविवि के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रो ध्रुवसेन सिंह को भारत सरकार द्वारा भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2019 द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भूविज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च पुरस्कार है। बता दें कि खान मंत्रालय, भारत सरकार भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रतेक वर्ष प्रदान करता है। प्रो सिंह द्वारा भारत में हिमालय और गंगा के मैदान में और आर्कटिक में भी हिमनदों, नदी और झीलों का क्रमवार अध्ययन करके पुरा जलवायु और पर्यावरण का विश्लेषण किया गया है। प्रो सिंह भारत के प्रथम एवं द्वितीय आर्कटिक उत्तरी ध्रुव क्षेत्र अभियान दल 2007, 2008 के सदस्य रह चुके है तथा विज्ञान रत्न, शिक्षक श्री, सरस्वती सम्मान से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सम्मानित हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

भूविज्ञान पुरस्कार हेतु प्रो. ध्रुव सिंह का चयन

लखनऊ। लविवि भूविज्ञान विभाग के प्रो. ध्रुव सेन सिंह को भारत सरकार द्वारा भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2019 के लिए चयनित किया गया है, जो भूविज्ञान के क्षेत्र का सर्वोच्च पुरस्कार है। खानन मंत्रालय, भारत सरकार भूविज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार प्रतेक वर्ष प्रदान करता है। इस योजना का उद्देश्य मौलिक भूविज्ञान के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना है। यह पुरस्कार पिछले दस वर्षों किए गए कार्यों के माध्यम से किए गए योगदान के आधार पर दिया जाता है। प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने इसे भूप्पर्यावरण अध्ययन के लिए पुरावातावरण, जलवायु परिवर्तन और मानसून परिवर्तन शीलता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नदियों, ग्लेशियरों और झीलों का विशेष अध्ययन किया है। प्रो. सिंह द्वारा भारत में हिमालय और गंगा के मैदान में तथा आर्कटिक में भी हिमनदों, नदी और झीलों का क्रमवार अध्ययन करके पुराजलवायु और पर्यावरण का विश्लेषण किया गया है।

i-NEXT PAGE 4

शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए साक्षात्कार

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को शोध मेधा छात्रवृत्ति के दूसरे चरण के लिए साक्षात्कार की प्रक्रिया हुई. अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो पूनम टंडन ने बताया कि साक्षात्कार के लिए 44 शोधार्थी अर्ह पाई गई थी. छात्रवृत्ति के लिए सभी छात्राएं शोध के प्रति काफी समर्पित दिखी और चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रही. समिति ने छात्राओं की मेधा, योग्यता के साथ उनकी आर्थिक स्थिति एवं जरूरत पर विशेष ध्यान दिया. उन्होंने बताया कि 10 छात्राओं का चयन कर उन्हें प्रति माह 5000 रुपए तीन वर्ष के लिए छात्रवृति के रूप में दिए जाएंगे. यह छात्रवृति वार्षिक तौर पर नवीनीकृत की जाएगी. जल्द ही चयनित शोध छात्राओं के नाम की सूची जारी होगी.

SWATANTRA BHARAT PAGE 4

आईक्यूएसी टीम ने विश्वविद्यालय के कई विभागों का किया दौरा

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय में नैक टीम के निरीक्षण से पूर्व तैयारियों को लेकर गुरुवार को आईक्यूएसी टीम ने निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभागों में तैयारियों जोरो पर हैं। शिक्षक प्रशासक ही नहीं बल्कि छात्रों में भी तैयारियों लेकर व्यापक उत्साह है। टीम ने कई विभागों का दौरा किया। मातृ दिवस पर विश्वविद्यालय की शोध छात्राएं महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से मिलीं। महामहिम से ही प्रेरणा लेकर एवं नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए छात्र- छात्रायें पढ़ाई लिखाई के अतिरिक्त समग्र विकास में भी रुचि दिखाती रही है। इसके अंतर्गत खेलकूद, प्रतियोगिता, इण्टर हॉस्टल प्रतिस्पर्धा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मासिक पत्रिकाएं एवं पाक कला जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए गोल्डन जुबली महिला छात्रावास की छात्राओं द्वारा नैक पीयर टीम के सदस्यों को अपने छात्रावास में दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया गया, ताकि इस दौरान टीम द्वारा छात्रावास का आंकलन किया जा सका। जिसके लिए इन छात्राओं ने अपने प्रो. डा. केया पाण्डेय एवं चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पाण्डेय के द्वारा कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय से निवेदन किया है। कुलपति ने छात्राओं को आश्वासन दिया, कि वो अाने वाली टीम के कार्यक्रम में इसे शामिल करने की कोशिश की जाएगी।

महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए लविवि ने शुरू की मेधा छात्रवृत्ति

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय की ओर से शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने एवं विशेष रूप से शोध में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसके लिए योग्य महिला शोध छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनमें से 44 आवेदन पात्र पाए गए । विशेष रूप से गठित समिति द्वारा पात्र छात्राओं के साक्षात्कार के आधार पर 10 छात्राओं को छात्रवृति के लिए चयनित किया जाएगा।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए सभी छात्राएं शोध के प्रति काफी समर्पित हैं और चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रही । समिति ने छात्राओं की योग्यता के अलावा उनकी आर्थिक स्थिति एवं जरूरत पर विशेष ध्यान दिया । यह शोध मेधा छात्रवृत्ति कार्यक्रम का दूसरा चरण है और सत्र 2020-21 में चयनित 10 छात्राएं अपने शोध कार्य के लिए सुचारु रूप से शोध कर रही हैं। चयनित छात्राओं को 5000 रुपए प्रति माह तीन वर्ष तक छात्रवृति दी जाएगी।

TOI PAGE 3

Nat'l Geoscience Award for LU professor

TIMES NEWS NETWORK

Prof Dhruv Sen Singh

Lucknow: In a heart-warming news, Lucknow University geologist Prof Dhruv Sen Singh has been selected for the National Geoscience Award (NGA), 2019, for his outstanding contributions in geo-environmental studies, including in paleoclimate, paleoenvironment, climate change and monsoon variability using rivers, glaciers, and lakes.

"I am overwhelmed. The award encourages us to do more work in the field of

who will be conferred the award in mid-July.

Instituted in 1966, NGA, the highest award in the field of earth sciences, is given annually by the Union ministry of mines to encourage geoven for work done in the past 10 years. Prof Singh studied the palaeoclimate, and environment, analyzing glacial, fluvial and lacustrine proxies in Himalaya and Ganga Plain in India and also in the Arctic (North Pole region).

Prof Singh found that the rapid retreat of Gangotri Glacier is due to its own typical characteristics and not necessarily linked to global warming.

He found that the rate of retreat of Gangotri Glacier is decreasing from 38 m/y in 1970 to 10 m/y in 2022 and is

bal warming.

He also worked on the causes and consequences of Kedarnath tragedy and has analyzed rivers and lakes of Ganga Plain for palaeoclimate which explain intense palaeo-monsoon.

Member of first and second Indian expeditions to Arctic in 2007 and 2008, Singh worked on finding facts behind natural events on geological issues and socio-economic aspects. Singh is recipient of Vigyan Ratna, Shikshak Shree and Saraswati Samman given by the state

HINDUSTAN TIMES PAGE 3

Geoscience Award

LUCKNOW : Prof Dhruv Sen Singh, professor in Geology at the University of Lucknow, has been selected for the National Geoscience Award, the highest award conferred in the field of Earth Sciences by the government of India. The ministry of mines, the government of India selects the names for the award. HTC